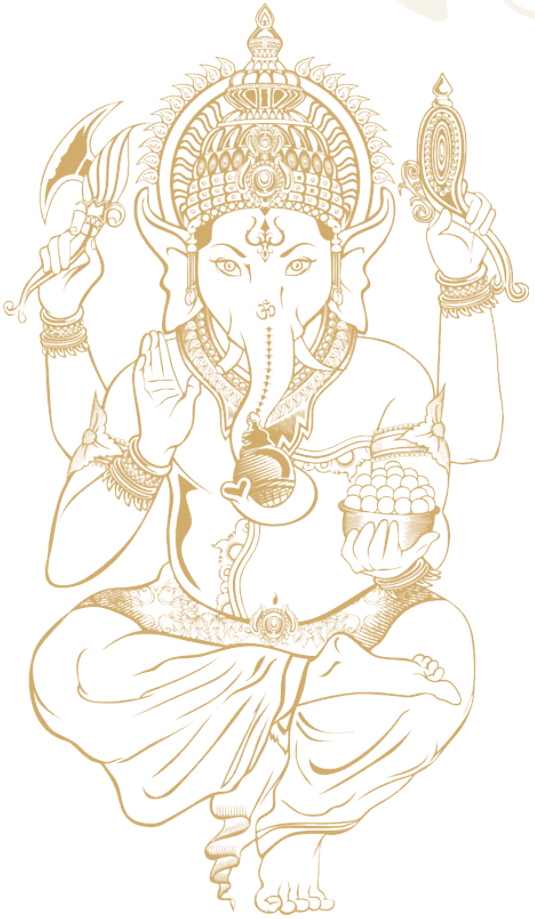

Atit

12 Sep 1976

07:10 AM

Dahod

Model: web-freekundliweb

Order No: 121496904

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/09/1976**
दिन	रविवार
जन्म समय	**07:10:00 घंटे**
इष्ट	01:52:25 घटी
स्थान	**Dahod**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	23:03:00 उत्तर
रेखांश	72:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:39:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:30:40 घंटे
वेलान्तर	00:03:43 घंटे
साम्पातिक काल	05:55:26 घंटे
सूर्योदय	06:25:02 घंटे
सूर्यास्त	18:45:46 घंटे
दिनमान	12:20:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	25:53:10 सिंह
लग्न के अंश	05:25:02 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ध्रुव
करण	बव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चे-चेतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	05:25:02	332:09:58	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			सिंह	25:53:10	00:58:22	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	स्वराशि
चंद्र			मेष	05:04:16	11:49:27	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	सम राशि
मंगल			कन्या	18:38:39	00:39:16	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
बुध	व	अ	कन्या	13:47:43	00:20:24	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	उच्च राशि
गुरु			वृष	07:34:27	00:01:32	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	19:09:27	01:13:40	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	नीच राशि
शनि			कर्क	18:29:54	00:06:41	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	10:41:06	00:00:45	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		मेष	10:41:06	00:00:45	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
हर्ष			तुला	11:07:36	00:02:54	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
नेप			वृश्चि	17:46:15	00:00:39	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
प्लूटो			कन्या	17:11:33	00:02:13	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	---
दशम भाव			मिथु	05:25:14	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:32:04

लग्न-चलित

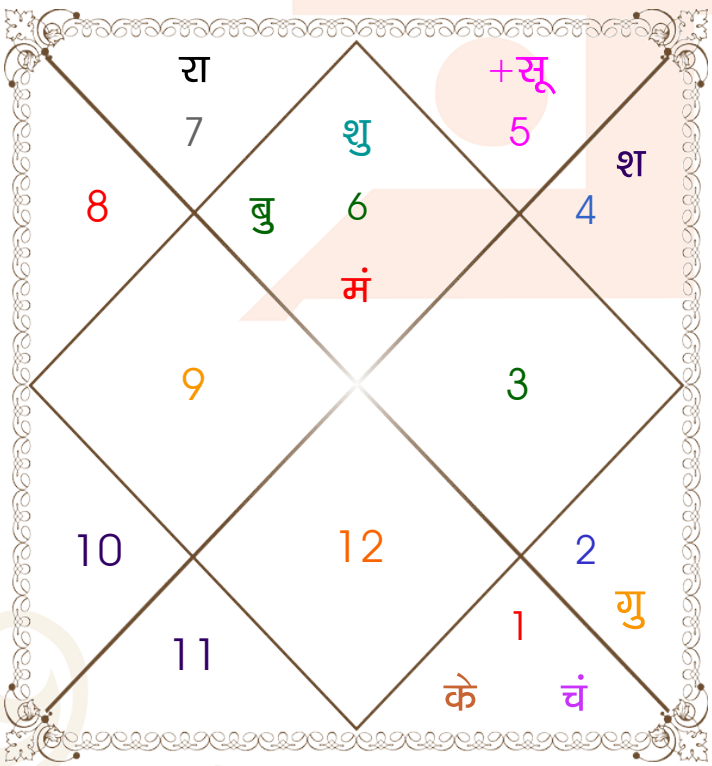

चन्द्र कुंडली

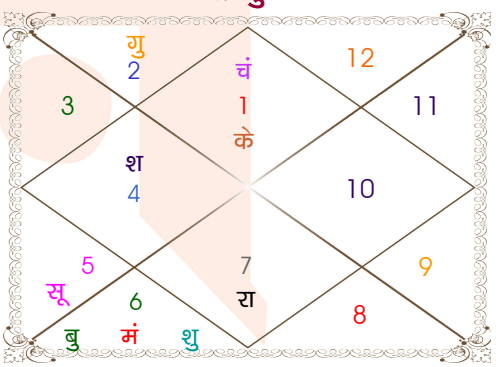

नवमांश कुंडली

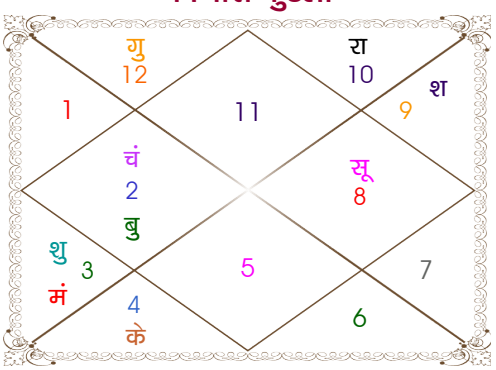

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 4 मास 1 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/09/1976		13/01/1981		13/01/2001		14/01/2007		13/01/2017	
13/01/1981		13/01/2001		14/01/2007		13/01/2017		14/01/2024	
	00/00/0000	शुक्र	15/05/1984	सूर्य	03/05/2001	चंद्र	14/11/2007	मंगल	11/06/2017
	00/00/0000	सूर्य	15/05/1985	चंद्र	01/11/2001	मंगल	14/06/2008	राहु	30/06/2018
	00/00/0000	चंद्र	14/01/1987	मंगल	09/03/2002	राहु	14/12/2009	गुरु	06/06/2019
	12/09/1976	मंगल	15/03/1988	राहु	01/02/2003	गुरु	15/04/2011	शनि	15/07/2020
मंगल	14/12/1976	राहु	16/03/1991	गुरु	20/11/2003	शनि	13/11/2012	बुध	12/07/2021
राहु	01/01/1978	गुरु	14/11/1993	शनि	01/11/2004	बुध	15/04/2014	केतु	08/12/2021
गुरु	08/12/1978	शनि	13/01/1997	बुध	08/09/2005	केतु	14/11/2014	शुक्र	07/02/2023
शनि	17/01/1980	बुध	14/11/1999	केतु	13/01/2006	शुक्र	15/07/2016	सूर्य	15/06/2023
बुध	13/01/1981	केतु	13/01/2001	शुक्र	14/01/2007	सूर्य	13/01/2017	चंद्र	14/01/2024

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/01/2024		13/01/2042		13/01/2058		13/01/2077		13/01/2094	
13/01/2042		13/01/2058		13/01/2077		13/01/2094		00/00/0000	
राहु	26/09/2026	गुरु	03/03/2044	शनि	16/01/2061	बुध	12/06/2079	केतु	12/06/2094
गुरु	19/02/2029	शनि	14/09/2046	बुध	26/09/2063	केतु	08/06/2080	शुक्र	12/08/2095
शनि	27/12/2031	बुध	20/12/2048	केतु	04/11/2064	शुक्र	09/04/2083	सूर्य	17/12/2095
बुध	15/07/2034	केतु	26/11/2049	शुक्र	05/01/2068	सूर्य	13/02/2084	चंद्र	18/07/2096
केतु	03/08/2035	शुक्र	27/07/2052	सूर्य	17/12/2068	चंद्र	15/07/2085	मंगल	12/09/2096
शुक्र	02/08/2038	सूर्य	15/05/2053	चंद्र	18/07/2070	मंगल	12/07/2086		00/00/0000
सूर्य	27/06/2039	चंद्र	14/09/2054	मंगल	27/08/2071	राहु	28/01/2089		00/00/0000
चंद्र	26/12/2040	मंगल	21/08/2055	राहु	03/07/2074	गुरु	06/05/2091		00/00/0000
मंगल	13/01/2042	राहु	13/01/2058	गुरु	13/01/2077	शनि	13/01/2094		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 4 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।